सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 20 MAY TO 26 MAY 2022 • VOLUME-43 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

जिंदगी की कमाई, दौलत से नही नापी जाती, अंतिम यात्रा की भीड़ बताती है, कमाई कैसी थी..!!

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

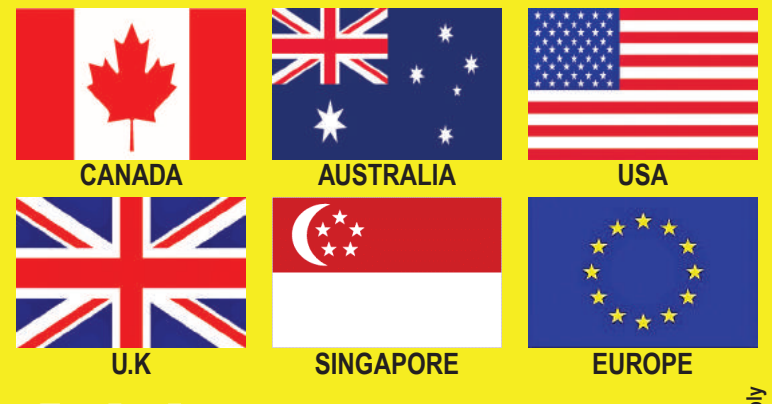

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल की जेल

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को रोड रेज के मामले में एक साल की सज़ा सुनाई है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाख़िल की गई थी। जस्टिस ए एम खानविलकर और जस्टिस एस के कॉल की बेंच ने इसके साथ ही सिद्धू पर एक हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया है। नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ यह मामला क़रीब तीन दशक से भी अधिक पुराना है। सिद्धू पर आरोप था कि वर्ष 1988 में उन्होने पार्किंग विवाद को लेकर गुरनाम सिंह नाम के एक व्यक्ति की पिटाई की, पिटाई के चलते बाद में उसकी मौत हो गई। पटियाला के सत्र न्यायालय के जज ने 22 सितंबर, 1999 को सिद्धू और उनके सहयोगी को सुबूतों के अभाव और संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था।

पीड़ित परिवार ने वर्ष 1999 में निचली अदालत के आदेश के खिलाफ पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में अपील दायर की। पंजाब -हरियाणा हाई कोर्ट ने परिजनों की अपील पर फैसला सुनाते हुए सिद्धू को धारा 304 की उपधारा दो के तहत दोषी ठहराया था और ग़ैर-इरादतन हत्या के मामले में तीन साल की क़ैद की सज़ा सुनाई।

पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ नवजोतसिंह सिद्धू ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपील पर सुनवाई करते हुए 2018 में सिद्धू पर लगे ग़ैर-इरादतन हत्या के आरोप को ख़ारिज कर दिया। लेकिन उन्हें स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के अपराध का दोषी ठहराया गया और उनकी तीन साल की सज़ा को बदलते हुए, उन पर एक हज़ार रुपये का जुर्माना लगाया। सिद्धू की सजा को बढ़ाने के लिए पीड़ित पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की। जिस पर दोनो पक्षों की बहस सुनने के बाद जस्टिस एएम खानविलकर और संजय किशन कौल की बेंच ने 25 मार्च 2022 को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राहुल जी से कहा था- सिद्धू-जाखड़ को पार्टी से निकाल दो : रंधावा

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सिद्धू पर बड़ा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हम सम्मान करते हैं। हमारे लोग गंभीर लोगों को नेता नहीं समझते और ऐसे बड़े नौटंकीबाज को बड़ा नेता समझते हैं, ये पंजाब और देश की बदकिस्मती है। रंधावा ने आगे कहा कि मेरे इतिहास में हमें आज तक ऐसा अध्यक्ष नहीं मिला जो उसी साख पर बैठकर उसी को काटता रहा। पूर्व डिप्टी सीएम ने सिद्धू के साथ-साथ सुनील जाखड़ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैंने राहुल गांधी जी से कहा था कि सुनील जाखड़ और सिद्धू साहब को पार्टी से निकाल दो शायद हमारी 3-4 सीटें बढ़ जाएं।

51 साल बाद कांग्रेस छोड़ बीजेपी में शामिल हुए सुनील जाखड़

नई दिल्ली. कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले पंजाब के सीनियर नेता सुनील जाखड़ अब बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सुनील जाखड़ को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान नड्डा ने कहा कि जाखड़ जी का बीजेपी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी ताकतों का पंजाब में मजबूत होना आज की आवश्यकता है।

51 साल बाद कांग्रेस छोड़ने वाले जाखड़ ने कहा कि एक व्यक्ति के बोलने से संबंध नहीं तोड़ सकते हैं। हमने रिश्तों को निभाया है। लेकिन जब हम अपने सिद्धांत से हट जाएं तो नए तरीके से सोचना जरूरी होता है। मैंने इसीलिए ये फैसला लिया है।

बीजेपी में शामिल होने को लेकर जाखड़ ने कहा कि सुनील जाखड़ की आवाज को आप दबा नहीं सकते हैं। संसद के अलावा मेरी मुलाकात पीएम मोदी से पंजाब में हुई थी। उस वक्त उनके द्वारा करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया था। उस समय मेरा सौभाग्य था कि मैंने पीएम के पास बैठकर लंगर छका व उनसे बातचीत हुई।

अश्वनी शर्मा ने जाखड़ का किया स्वागत

चंडीगढ़. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कांग्रेस को अलविदा कह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में दिल्ली भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ का स्वागत करते हुए कहा कि सुनील जाखड़ प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुए हैं।

सीएम भगवंत मान ने की अमित शाह के साथ मुलाकात

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब को अर्धसैनिक बलों की 10 और कंपनियां दीं

बीबीएमबी में पंजाब का प्रतिनिधित्व घटाने का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली/चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मुलाकात की और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बासमती की खरीद करने के लिए नोटीफिकेशन जारी करने पर ज़ोर डाला। मुख्यमंत्री ने अमित शाह को बताया कि किसानों को गेहूँ-धान के फ़सली चक्र में से निकालना समय की ज़रूरत है। मुख्यमंत्री ने राज्य में गेहूँ की उपज कम निकलने के एवज़ में किसानों को प्रति क्विंटल 500 रुपए मुआवज़ा देने की भी माँग की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस सीजन के दौरान तपिश बढ़ने से पंजाब में गेहूँ के दानों को नुकसान पहुँचा है और इसलिए किसानों को कम उपज के लिए 500 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से मुआवज़ा देकर इस भरपायी की जाये। एक अन्य मुद्दा उठाते हुये मुख्यमंत्री ने अमित शाह को भाखड़ा ब्यास प्रशासनिक बोर्ड (बी.बी.एम.बी.) में से पंजाब का प्रतिनिधित्व ख़त्म करने से सम्बन्धित हुक्म रद्द करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री मान ने अमित शाह को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बासमती की खरीद के लिए नोटीफिकेशन जारी करने को भी कहा।

राज्य की अमन-शांति को भंग करने की बार-बार की जा रही कोशिशों पर चिंता ज़ाहिर करते हुये मुख्यमंत्री ने पंजाब में अर्धसैनिक बलों की 10 अतिरिक्त टुकड़ियों की माँग की। इसके जवाब में केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य में अर्धसैनिक बलों की 10 और कंपनियाँ तुरंत अलाट की। मुख्यमंत्री ने ड्रोन के द्वारा सरहद पार से बढ़ रही नशे और हथियारों की तस्करी पर भी गहरी चिंता ज़ाहिर की और अमित शाह को ऐसी कोशिशों को नाकाम करने के लिए राज्य को तुरंत एंटी ड्रोन तकनीक मुहैया करवाने के लिए कहा।

नेशनल हाईवे व लोक निर्माण विभाग

सरकार दूसरों से कानून की पालना करवा रही परंतु खुद नहीं कर रही

हाईकोर्ट के आदेशों को जमीनी स्तर पर नहीं लागू करवा पा रहे हैं नेशनल हाईवे विभाग जिस कारण सीधा कैरिज-वे पर एक्सिडेंटल जोन बना दिया जाता है।

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पूरे देश में सड़क सुरक्षा को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा हाईवे पर कार्य कर रहे विभिन्न संस्थानों के लिए नियम अलग से बनाए गए हैं और उन नियमों की पालना न करने की स्थिति में उन्हें भारी-भरकम जुर्माने के साथ-साथ उन संस्थाओं को दी गई वैधता को अवैध करार करने का प्रावधान भी कानून के हिसाब से सरकार को दिया गया है।

बता दें कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर बच्चों को पढ़ाने वाली उन निजी और सरकारी कॉलेजों, यूनिवर्सिटियों को इन नियमों का ख़ास ख्याल रखना पड़ता है जिसके लिए उन्हें अपनी कॉलेज या यूनिवर्सिटी के बाहर बच्चों के लिए हाईवे के साथ एक स्लीप रोड और एक फुटओवर ब्रिज का निर्माण करना अनिवार्य होता है जिससे बच्चों को बाहर निकलते वक़्त या सड़क क्रॉस करते समय किसी भी तरह की सड़क दुर्घटना का शिकार न होना पड़े। इसके लिए राज्य और नेशनल हाईवे विभाग समय-समय पर इन संस्थानों के चालकों को स्लीप रोड और फुटओवर ब्रिज का निर्माण समय पर न करने का नोटिस भी भेजता रहता है।

जिक्रयोग्य है कि पठानकोट रोड स्थित डीएवी यूनिवर्सिटी और फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर फुटओवर ब्रिज और स्लिप रोड का निर्माण किया गया है। परन्तु राज्य सरकार की प्रमुख यूनिवर्सिटी जोकि जालंधर कपूरथला राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 703 ए पर स्थित है और वहां पूरे पंजाब के अलावा देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी पढ़ने आते हैं। वहां पर न तो किसी तरह की स्लिप रोड बनाई गई है और न ही कोई फुटओवर ब्रिज का निर्माण अभी तक करवाया गया है।

गौरतलब है कि पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी पूरे देश में अपनी अलग पहचान बना चुकी है और इसके साथ ही बच्चों को ज्ञान प्रदान करने के लिए साइंस सिटी का निर्माण कई वर्षों पहले हाईवे पर इसके साथ किया गया था और जालंधर समेत अन्य जिलों से कई स्कूली बच्चे इन संस्थानों में आते हैं। लेकिन इन सब के बीच एक सरकारी संस्था द्वारा बच्चों के लिए सही सड़क सुरक्षा न दे पाना एक गंभीर विषय है। जिस तरह बाकी निजी कॉलेज यूनिवर्सिटी के लिए इन नियमों का पालन करना आवश्यक होता है वैसे ही सरकार को भी अपनी सरकारी संस्थानों के लिए नियम लागू करवाने आवश्यक हैं। हाईकोर्ट के आदेशों को जमीनी स्तर पर नहीं लागू करवा पा रहे हैं नेशनल हाईवे विभाग जिस कारण सीधा कैरिज-वे पर एक्सिडेंटल जोन बना दिया जाता है।

अब आने वाला वक्त बताएगा कि सरकार इस यूनिवर्सिटी के बाहर कब तक फुटओवर ब्रिज और स्लिप रोड बनवाती है। हालांकि लोक निर्माण विभाग सेंटर वर्क्स डिवीज़न के अधिकारियों द्वारा ऐसे निर्माण के लिए मौके पर कम जगह होने का हवाला दिया जाता है जिससे बच्चों को हाईवे की दूसरी साइड जाने के लिए बीच सड़क से गुजरना पड़ता है और उन्हें कई बार तेज रफ़्तार से आ रहे वाहनों से बचकर निकलना पड़ता है ऐसे में कई बार दुर्घटना ग्रस्त भी होना पड़ता है। लेकिन नियम पूरे देश में सबके लिए एक होने चाहिए चाहे वह संस्थान सरकारी हो या गैर सरकारी। क्योंकि यह मुद्दा देश के भविष्य यानी बच्चों से जुड़ा और इस पर गंभीरता से सोचना और समय पर उचित व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

• जालंधर-पठानकोट रोड स्थित डीएवी यूनिवर्सिटी के सामने बनी फुट ओवर ब्रिज इससे बच्चों सुरक्षित कर पाते हैं रोड क्रास।

• जालंधर-फगवाड़ा स्थित नेशनल हाईवे पर लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बाहर बना फुट ओवर ब्रीज।

• जालंधर-कपूरथला एनएच 703 ए स्थित पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सटी के सामने अभी तक नहीं बना है कोई फुट ओवर ब्रीज वहीं कैरिज-वे पर दिया गया है परपैडीकुलर एक्सेस जिस कारण अक्सर दुर्घटना का बना रहता खतरा।

TRAVELLING

सहेलियों संग घूमने के लिए बेस्ट हैं ये जगहें

• **जालंधर ब्रीज** . रिपोर्टर

अक्सर देखा होगा कि वीकेंड पर लड़के अपना बैग पैक करते हैं और किसी न किसी ट्रिप पर निकल जाते हैं। लड़के दिन हो या रात आराम से सफर कर लेते हैं। घूमने के लिए उनके पास कई विकल्प होते हैं। वह रोड ट्रिप पर किसी पहाड़ी, जंगल या झील के पास कैंपिंग कर लेते हैं तो कभी किसी दार्शनिक स्थल को घूम आते हैं लेकिन लड़कियों को कोई ट्रिप प्लान करने से पहले काफी तैयारी करनी होती है।

घूमने के लिए अच्छी जगह के चयन के साथ ही लड़कियों को सुरक्षित जगह भी तलाश करनी होती है। डेस्टिनेशन पर आने जाने के लिए मार्ग, परिवहन तो सुरक्षित होना ही चाहिए, साथ ही उस जगह का माहौल भी लड़कियों के लिए सहज हो, इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही लड़कियां जगह का चुनाव करें। गर्मियों की छुट्टियों में अगर गर्ल्स गैंग यानी लड़कियां किसी ट्रिप पर जाने की योजना बना रही हैं, घूमने के लिए बेस्ट जगहें...

पुणे

महिलाएं अगर घूमने का प्लान बना रही हैं और किसी सुरक्षित जगह पर जाना चाहती हैं तो इस मौसम में पुणे जा सकती हैं। महाराष्ट्र के पुणे का कल्चर और माहौल आपको जरूर पसंद आएगा। लड़कियां पुणे के पास लवासा सिटी को घूमने भी जा सकती हैं। यहां रहने खाने के लिए कम पैसों में सुरक्षित माहौल मिलता है।

कंचनजंगा, सिक्किम

भारत के सिक्किम में स्थित कंचनजंगा दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। लड़कियां एडवेंचर ट्रिप पर जाना चाहती हैं तो कंचनजंगा उन्हें पसंद आएगा। महिलाएं यहां अकेले घूमने के लिए जा सकती है। खूबसूरती के साथ ही सेफ्टी के लिहाज से भी यह जगह अच्छी है। यहां आप ट्रैकिंग का आनंद ले सकती हैं।

जीरो घाटी, अरुणाचल प्रदेश

पर्यटकों को अरुणाचल प्रदेश बहुत पसंद आएगा। इस खूबसूरत राज्य में जीरो घाटी नाम की जगह है। लड़कियों के घूमने के लिए जीरो घाटी बेस्ट है। इस खूबसूरत शहर को शांति साधक का स्वर्ग कहा जाता है। यहां चावल की खेती होती है। कम पैसों में आसानी से लड़कियां यहां अकेले घूम सकती हैं और प्रकृति का आनंद ले सकती हैं।

माजुली द्वीप, असम

असम के माजुली द्वीप पर लड़कियां ट्रिप पर जा सकती हैं। जोरहाट शहर से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित माजुली द्वीप पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इस द्वीप पर सेफ्टी के साथ ही लड़कियों को पूरी तरह से एंजॉय करने का मौका मिलेगा।

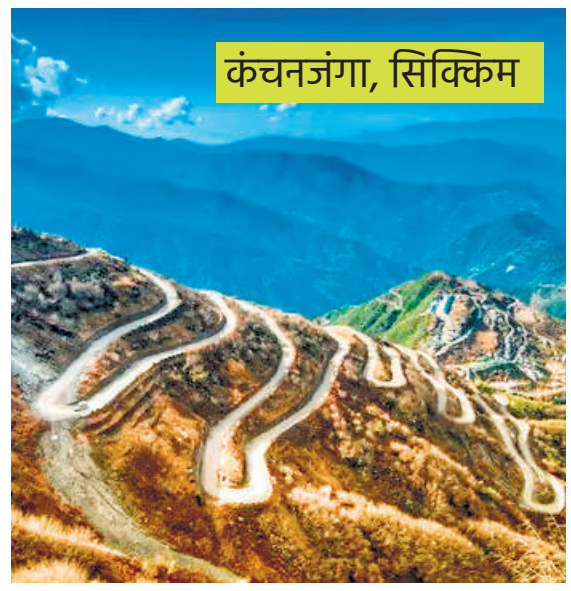

HEALTH+

नमक का कम या अधिक सेवन दोनों शरीर के लिए नुकसानदायक

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई प्रकार के पोषक तत्वों और खनिजों की रोजाना संयमित मात्रा में आवश्यकता होती है। इन पोषक तत्वों की कमी या अधिकता, दोनों ही गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं। सोडियम भी एक ऐसा ही अति आवश्यक तत्व होता है। सोडियम, नमक का प्रमुख घटक माना जाता है। शरीर में इसकी कमी या अधिकता, दोनों ही कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

नमक के अधिक सेवन को जहां ब्लड प्रेशर बढ़ने और गंभीर स्थितियों में हृदय रोगों का खतरा बढ़ाने वाला माना जाता है, वहीं इसकी कमी शरीर को गंभीर कमजोरी और थकान का एहसास करा सकती है।

शोध से पता चलता है कि बहुत अधिक नमक खाने वाले लोगों में हृदय रोगों के साथ-साथ मस्तिष्क से संबंधित कई तरह की जटिलताएं भी हो सकती हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ सभी लोगों को नियंत्रित मात्रा में इसके सेवन को सुनिश्चित करने की सलाह देते हैं। हालांकि इसके लिए नमक का सेवन बिल्कुल भी नहीं बंद कर देना चाहिए। ऐसा करना भी आपके लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला हो सकता है। आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

√ कितनी मात्रा में सोडियम का सेवन करना चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को दैनिक रूप से सोडियम की मात्रा पर विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के विशेषज्ञों के मुताबिक एक दिन में अधिकतम 2,300 मिलीग्राम या लगभग 1 चम्मच की मात्रा में नमक का सेवन किया जा सकता है। ध्यान रहे, इसकी कमी और अधिकता दोनों नुकसानदायक है। कई पैक्ड या जंक खाद्य पदार्थों में नमक की मात्रा अधिक हो सकती है, ऐसे में इनके सेवन को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

√ सोडियम की अधिकता

अतिरिक्त सोडियम का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस, किडनी की बीमारी और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। ये स्थितियां हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ा देती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो बच्चे नमकीन खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करते हैं, उनमें मीठे पेय या मीठी चीजों के सेवन की संभावना भी बढ़ जाती है जिसके कारण मोटापे का खतरा हो सकता है। पैक्ड चिप्स और अन्य चीजों से सोडियम का उपभोग बढ़ने का जोखिम रहता है।

√ सोडियम की कमी

शरीर में सोडियम की कमी होना भी आपके लिए समस्याओं को बढ़ा सकती है। इसके कारण कमजोरी, थकान और चक्कर आने जैसी समस्या सबसे आम है। कुछ स्थितियों में लगातार सोडियम की कमी बने रहने को विशेषज्ञ कई अन्य बीमारियों का भी कारण मानते हैं।

√ एडिसन रोग
√ छोटी आंत में रुकावट
√ दस्त और उल्टी
√ थायराइड की समस्या।
√ दिल की धड़कनों की अनियमितता।
√ जलन होना।

कहानी

मनदीप कौर

आधी अधूरी बात

मेरे पास सब कुछ है, तब भी मैं सुबह से कॉलेज ना जाने के बहाने ढूंढती रहती हूं और दूसरी तरफ वह 10 साल का बच्चा है जिसे इतनी बारिश में भी मानो अपने घर के हालात से दूर जाने के लिए उसे रोक नहीं पा रही थी।

सुबह होते ही दीवार पर टंगी घड़ी मानो जल्दी जल्दी चलने लग जाती है 5 मिनट और मिल जाए तो मेरी 9 घंटे की नींद पूरी ना कर सकी वह 5 मिनट की नींद कर जाएगी ऐसा सोच कर मैं फिर सोने लगी तभी गेट खुलने की आवाज आई लगता है मम्मी गुरुद्वारे से वापस आ गई, मम्मी ने आते ही मेरे कमरे का दरवाजा खोला और कहा आज बहुत बारिश हो रही है तुम कॉलेज कैसे जाओगी। मैं अपने बिस्तर से एक झटके में उठी जैसे कॉलेज ना जाने का बहाना मिल गया पर अचानक याद आया कॉलेज का पहला साल है कहीं हाजिरी कम ना हो जाए। अब सारी खुशी छूमंतर हो गई। कमरे की खिड़की से बारिश देखी तो दो बातें दिमाग में आई पहली बारिश बहुत तेज है रुकने नहीं वाली और दूसरी बार शब्द तेज है तो जल्दी कम हो जाएगी, कुल मिलाकर मैं अंदर ही अंदर चलती रही की बारिश ना रुके हर रोज की तरह आधे घंटे में तैयार होकर चिल्लाने लग जाना कि मैं लेट हो गई बस निकल जाएगी। आज दिल नहीं था और मम्मी तैयार बैठी थी कि आज पापा गुरुद्वारे से अभी तक नहीं आए तो मुझे इतनी बारिश में बस स्टॉप तक कौन छोड़ेगा। अभी मैं अपने मुंह को खोलना चाहा ही था कि अचानक पापा सामने आ गए और जल्दी जल्दी से कहने लगे चलो मैं भी गांव हूं भेजो तो हूं ही क्यों ना तुम्हें बस स्टॉप तक छोड़ दूं।

अचानक लगा आज भगवान नहीं चाहता कि मैं घर से निकलूं लेकिन बारिश काफी कम हो गई थी। पापा ने एक्टिवा उठाया और हम बस स्टॉप पहुंच गए मैं एक पेड़ के नीचे छतरी लेकर खड़ी हो गई। आज बारिश के कारण कम ही लोग खड़े थे। मेरी नजर तभी स्कूल के बच्चे पर पड़ी जो सारा भीगा हुआ था जिसके पास ना तो छतरी थी और ना ही पेड़। थोड़ी देर तक मैं उसे देखती रही फिर रहा ना गया तो उसके पास पहुंच गई। मैंने उसे छतरी के नीचे आने को कहा तो वह उसी क्षण आ गया पर उसके चेहरे पर कोई हावभाव नहीं था। हम दोनों सरकारी बस का इंतजार करने लगे। बारिश फिर तेज हो गई। स्कूल का छात्र जो महज 10 साल का

होगा उसको मैंने एक बार बारीक नजर से देखा तो वह बहुत कांप रहा था। उसके कपड़े अंदर तक गीले हो गए थे। स्कूल के बस्ते में से पानी टप-टप करता हुआ दिखाई दे रहा था। अब मुझसे रहा ना गया, मैंने पूछ ही लिया कि तुम यहां अकेले कब से खड़े हो। उसने भी बिना वक्त लिए 20-25 मिनट का समय बता दिया। अब सरकारी बस है जनाब उसका टाइम पक्का कहां होता है। एक घंटा तो समझो अब पार है। उसके कहे 20-25 मिनट मेरी अपनी चिंता का कारण बन गए दिमाग तेज चलना शुरू हो गया। मतलब बस नहीं आई अब सीधा 8:30 वाली आएगी। तो समझो पहला पीरियड मिस, ऊपर से बेवजह जल्दी भी उठना पड़ा।

तभी लड़के ने एक जोर से चीख मार दी। अब फिर मेरा सारा ध्यान उस पर चला गया। मैंने फिर उससे पूछा कि तुम कहां रहते हो। यहां अकेले क्यों खड़े हो, मम्मी-पापा में से क्यों कोई साथ नहीं खड़ा। जो सवाल शायद पूछने लायक ना भी हो, पर मैंने उत्साहित होकर एक ही सार सारे सवाल उसके सामने रख दिए। लड़का मेरी उम्र से ज्यादा समझदार निकला। उसने बहुत सही तरीके से एक-एक सवाल का जवाब देना शुरू किया। मेरा घर यहां से काफी दूर है। वहां बस नहीं रुकती, सो मैं रोज यहां पहले चल कर आता हूं। पापा मेरे दिहाड़ी करते हैं और मम्मी साफ-सफाई का काम। मुझसे रहा ना गया, मैंने फिर पूछा क्या तुम दुखी हो। मुझे एक पल के लिए समझ ना आया कि यह सवाल मैंने उससे क्यों पूछा। पहली बार उसने मेरी तरफ देखा यकीन मानो ऐसा लगा बारिश की बूंद उसकी आंखों में से निकलते हुए गालों के रास्ते से नीचे सड़क पर पड़े पानी में मिल गई।

मैं समझ गई... कुछ तो ऐसा है जो यह लड़का कहना चाहता है। उसने एकदम से कहा- मम्मी पापा बहुत लड़ते हैं, पापा शराब बहुत पीते हैं। मम्मी मुझे मारती भी है। इसके आगे वह कुछ कहता उसकी बस आ गई। वह बिना कुछ कहे बस की तरफ ऐसे भागा मानो अपने हालात से बचने के लिए बस में जल्दी से चढ़कर यहां से दूर जाना चाहता हो।

वह चला गया और मैं वही खड़ी उस बस को जाते हुए देखती रही। अब मेरा मन अशांत हो चुका था। अब मैं अपने हिस्से वालों के जाल में फंसी जा रही थी। मैंने अपने आप को भला बुरा कहना शुरू कर दिया। क्योंकि ना तो मैंने उसका नाम पूछा ना ही स्कूल का नाम और ना ही घर का पता। उस वक्त एक ही बात दिमाग में घूम रही थी कि मेरे पास सब कुछ है, तब भी मैं सुबह से कॉलेज ना जाने के बहाने ढूंढती रहती हूं और दूसरी तरफ वह 10 साल का बच्चा है जिसे इतनी बारिश में भी मानो अपने घर के हालात से दूर जाने के लिए उसे रोक नहीं पा रही थी। तभी मेरी बस आ गई। मैं तो मेरी बस में चढ़ गई, पर मेरा दिल और दिमाग उसी जगह छोड़ आई। जहां मैं और वह बच्चा खड़ा था।

KNOWLEDGE

कब मनाया जाता है विश्व परिवार दिवस?

पहली बार विश्व परिवार दिवस 1994 में मनाया गया था। हालांकि इस दिन की नींव 1989 में ही रख दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जीवन में परिवार के महत्व को बताने के उद्देश्य से 9 दिसंबर 1989 के 44/82 के प्रस्ताव में हर साल अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने की घोषणा की थी। बाद में साल 1993 में यूएन जनरल असेंबली ने एक संकल्प में परिवार दिवस के लिए 15 मई की तारीख तय कर दी। इसके बाद से हर साल 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाने लगा।

विश्व परिवार दिवस को मनाने की शुरुआत करने के पीछे की वजह दुनियाभर के लोगों को परिवार से जोड़े रखना और परिवार से जुड़े मुद्दों पर समाज में जागरूकता फैलाना था। हर साल इस दिन को मनाकर युवाओं को परिवार की अहमियत के बारे में बताया जाता है।

परिवार अलग अलग विचार, पसंद के लोगों को एकजुट करता है। लोगों के आपसी मतभेदों को भुलाकर प्रेम से रहने के लिए प्रेरित करता है और भावनात्मक तौर पर परिवार एकदूसरे का सहारा देने व अकेलेपन को दूर करने का काम परिवार ही करता है।

गर्मी में तुरंत ठंडक का एहसास दिलाएंगी लस्सी

COOL COOL

गर्मियों के मौसम में शरीर को तरोताजा रखने के लिए ठंडी ठंडी ड्रिंक्स बेहद जरूरी है। तरह-तरह के शरबत के साथ ही लस्सी का मजा ही अलग होता है। ठंडी-ठंडी लस्सी सेहत को ना केवल फायदा पहुंचाती है बल्कि इससे शरीर को भी राहत मिलती है। साथ ही लस्सी बनाना बेहद आसान होता है। लेकिन अगर आप रोज की उस एक टेस्ट वाली लस्सी में कुछ नया स्वाद जोड़ना चाहते हैं। तो ये तीन फ्लेवर जरूर ट्राई करें। इन तीन तरह के स्वाद वाली लस्सी घर में हर किसी को पसंद आएगी और टेस्ट के साथ फायदा भी मिलेगा। तो चलिए जानें तीनों फ्लेवर वाली लस्सी की रेसिपी।

केसरिया लस्सी

केसरिया लस्सी ना केवल स्वाद में लाजवाब होगी बल्कि ये सेहत को भी फायदा पहुंचाएगी। गर्मी के मौसम में सॉफ्ट ड्रिंक्स से बेहतर है कि लस्सी का सेवन किया जाए। केसर वाली लस्सी बनाने के लिए जरूरत होगी एक कप दही, केसर के दो से तीन रेशे, दूध एक चम्मच, दो से तीन चम्मच चीनी या फिर स्वादानुसार, इलायची पाउडर थोड़ा सा। सबसे पहले एक चम्मच दूध को गर्म कर लें। फिर इस गर्म दूध में केसर के रेशे डाल दें। जिससे कि ये गल जाएं और इनका रंग दूध में उतर जाए।

अब एक मिक्सी के जार में दही, चीनी, केसर वाला दूध, बर्फ के टुकड़े और एक चुटकी इलायची का पाउडर डालकर मिला लें। फिर इसे ब्लेंड कर लें। बस तैयार है केसरिया ठंडी सी लस्सी। इसे गिलास में सजाकर सर्व करें।

रोज लस्सी

गुलाब के फ्लेवर वाली लस्सी बहुत सारे लोगों को पसंद होती है। इसे घर में बनाने के लिए बस जरूरत होगी रोज सीरप की। एक कप दही, चौथाई कप ठंडा पानी, रोज सीरप एक चम्मच, और चुटकी भर इलायची का पाउडर। अब मिक्सी के जार में दही और रोज सीरप डालें। अगर रोज सीरप से मिठास कम लग रही है तो थोड़ी सी चीनी भी डाल लें। साथ में इलायची का पाउडर डालकर ब्लेंड कर लें। बस ठंडी सी लस्सी तैयार है। इसे गिलास में निकालकर ऊपर से रोज सीरप की कुछ बूंदों से सजाएं।

मैंगो लस्सी

लस्सी को आप कई सारे फ्रूट्स की मदद से फ्लेवर दे सकती है। जैसे कि स्ट्रॉबेरी, पाइनएप्पल, मैंगो। ज्यादातर लोगों को मैंगो पसंद होता है। इसलिए मैंगो लस्सी बनाने की विधि जान लें। मैंगों लस्सी बनाने के लिए चाहिए एक कप दही, एक पका आम टुकड़ों में कटा हुआ, चीनी दो से तीन चम्मच, काला नमक चुकीभर। लस्सी बनाने के लिए मिक्सी के जार में एक कप दही के साथ पके आम के टुकड़े डाल दें। साथ में चीनी और चुटकीभर इलायची का पाउडर लें। इन सारी चीजों को मिक्सी के जार में डालकर ब्लेंड कर लें। बस तैयार है मैंगो लस्सी। इसे गिलास में डालकर सर्व करें।

NEWS +

OMG! यहां के किसान अपने खेतों में करते हैं हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल

किसान अपने खेतों में लगे फलों को सुखाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसमें भी सोचने वाली बात ये है कि ऐसा कौन सा फल है, जिसे सुखाने में हेलीकॉप्टर की जरूरत पड़ जाती है, तो इसका जवाब है चेरी।

भारत की एक बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है, खेती करती है और पूरे देश का पेट भरती है। हालांकि वो बात अलग है कि शहरों में रहने वाले लोग अक्सर गांवों में रहने वाले लोगों को अपने से कमतर मानते हैं। उन्हें उनके कपड़ों से, उनके रहन-सहन के तरीकों से जज करते हैं। वैसे देखा जाए तो देश के अधिकतर किसान गरीबी रेखा में ही आते हैं। हां... कुछ किसान थोड़े पैसे वाले जरूर हैं, लेकिन शायद ही कोई ऐसा किसान होगा, जिसे अपने पैसों पर घमंड होगा। इसके बावजूद भी लोग हर किसान को एक समान नजर से ही देखते हैं। पर आज हम आपको ऐसे किसानों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपने खेतों में हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं। जी हां, आपको ये जानकर हैरानी तो हो रही होगी, लेकिन यह बिल्कुल सच बात है।

अब आप सोच रहे होंगे कि भला खेतों में हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की क्या जरूरत पड़ गई, तो हम आपको बता दें कि किसान अपने खेतों में लगे फलों को सुखाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसमें भी सोचने वाली बात ये है कि ऐसा कौन सा फल है, जिसे सुखाने में हेलीकॉप्टर की जरूरत पड़ जाती है। तो चलिए इसके बारे में भी बता देते हैं।

चेरी के पौधों को बचाना होता है मुश्किल : चेरी तो आपने खाई ही होगी। इसे मैंगो शेक या और भी कई तरह के जूस में इस्तेमाल किया जाता है। स्वाद में मीठा लगने वाला ये फल आसानी से मिल तो जाता है, लेकिन इस फल को उगाना और उसके पौधों को बचाना इतना आसान नहीं है। खेती से जुड़े एक्सपर्ट्स कहते हैं कि चेरी को उगाने में ज्यादा पानी की जरूरत नहीं पड़ती, लेकिन अगर इलाके में बारिश हो जाए तो फिर पूरी फसल ही खराब हो जाती है। ऐसे में किसानों को बहुत ध्यान रखना पड़ता है कि चेरी की फसलों को ज्यादा पानी न मिले।

हेलीकॉप्टर से सुखाए जाते हैं फल : अगर कभी बारिश हो गई और चेरी की फसलों को ज्यादा पानी मिल गया, तो ब्रिटिश कोलंबिया के किसान उन्हें सुखाने के लिए हेलीकॉप्टर बुलाते हैं। बारिश के तुरंत बाद हेलीकॉप्टर को जमीन के नजदीक ठहरे हुए पोजिशन में उड़ाया जाता है और उसके पंखों की मदद से चेरी की फसलों पर से पानी को हटाया जाता है। इस तरह पौधे सूख जाते हैं। हालांकि कभी-कभी तेज हवा की वजह से फसलें खराब भी हो जाती हैं। इसलिए इसका भी ध्यान रखना पड़ता है।

किसानों के साथ बैठक के बाद सीएम मान ने किया समय-सारणी में बदलाव

धान की चरणबद्ध बुवाई के लिए 14 और 17 जून की नई तिथि का ऐलान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राज्य के किसानों की माँग के साथ सहमति प्रकट करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने धान की चरणबद्ध बुवाई के लिए 14 जून और 17 जून की नई तारीखों का ऐलान किया है और इसके साथ ही ज़ोनों की संख्या दो कर दी है, जबकि इससे पहले चार ज़ोन बनाए गए थे। हालाँकि, कँटीली तार से पार वाले सीमावर्ती इलाके वाली ज़मीनों को ज़ोनों की बन्दिशों से बाहर रखा गया है और इस क्षेत्र के किसानों को 10 जून से धान की फ़सल लगाने की इजाज़त होगी। बताने योग्य है कि इससे पहले धान की बुवाई चरणबद्ध ढंग से करने के लिए राज्य को चार ज़ोनों में बाँटा गया था, जिनमें ज़ोन-1 में धान की बुवाई की तारीख़ 18 जून थी, ज़ोन-2 की 22 जून, ज़ोन-3 की 24 जून और ज़ोन-4 की 26 तारीख़ तय की गई थी, जिससे भूजल के तेज़ी से गिर रहे स्तर को रोका जा सके।

यहाँ पंजाब भवन में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को जाकर तुरंत पनीरी लगानी शुरू कर देनी चाहिए, जिससे निर्धारित समय के अंदर धान की बुवाई को सुनिश्चित बनाया जा सके। मूँग की दाल की फ़सल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित बनाने के लिए अपनी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसान नेताओं को बताया कि राज्य सरकार ने 7275 रुपए प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समूची फ़सल की खरीद के लिए नोटीफिकेशन पहले ही जारी कर दिया है।

तस्वीर साभार : सोशल मीडिया

उन्होंने किसानों को यह भी भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार फ़सलीय विभिन्नता के अपने प्रमुख कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मक्का की खरीद के लिए रूप-रेखा को अंतिम रूप देने जा रही है। बासमती के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वह कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बासमती पर तुरंत न्यूनतम समर्थन मूल्य का ऐलान करने के लिए भारत सरकार पर ज़ोर डालेंगे, जिससे हमारे किसानों को पानी की अधिक उपभोग वाली धान की फ़सल से मक्का की कृषि करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे पानी की बचत होगी।

ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों के लिए बुरी खबर! खत्म होने वाला है ई-कॉमर्स कंपनियों के भारी डिस्काउंट का दौर

मोटे डिस्काउंट के चक्कर में अगर आप पड़ोस वाली किराने की दुकान की बजाय ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं, तो आपके लिए थोड़ी बुरी खबर है। क्योंकि जियो मार्ट, ब्लिंकिट, फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों पर भारी डिस्काउंट का दौर ज्यादा नहीं चलने वाला है। तो खबर यह है कि बड़े एफएमसीजी ब्रांड ने ई-कॉमर्स कंपनियों से हाथ खींचने शुरू कर दिए हैं। इसलिए एक बार फिर पड़ोस वाली दुकान ही आपके काम आ सकती है। अब जरा मसले को पूरा समझ लेते हैं।

ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन यानी AICPDF का कहना है कि टॉप एफएमसीजी ब्रांडों ने अपने प्रोडक्ट्स की सप्लाई ई-कॉमर्स कंपनियों को कम कर दी है। इसकी गाज सबसे पहली जियो मार्ट पर पड़ी है। क्योंकि जियो मार्ट का कारोबारी तरीका सही नहीं था। उससे खुदरा व्यापारियों को नुकसान हो रहा था। एफएमसीजी कंपनियों को यह कदम तब लेना पड़ा है, जब ट्रेड एसोसिएशन ने महाराष्ट्र में खुदरा विक्रेताओं को एकजुट किया था।

सीनियर सिटीजन की रियायतें बंद कर इंडियन रेलवे ने बचा लिए 1500 करोड़ रुपये! आरटीआई से हुआ खुलासा...

भारतीय रेलवे ने पिछले दो वर्षों में ट्रेनों में सीनियर सिटिजन को दी जाने वाली रियायतें बंद कर करोड़ों रुपये बचा लिए। दरअसल, कोरोना महामारी के कारण भारत समेत दुनियाभर के देशों में जब लॉकडाउन लगाया गया था, तब दुनिया जैसे थम सी गई थी। भारत में पहली बार ट्रेनों के पहिये पर पूरी तरह से ब्रेक लगा था। बाद में स्थिति को देखते हुए पाबंदियों के साथ ट्रेनें चालू तो की गईं, लेकिन स्पेशल ट्रेनों के रूप में उनका परिचालन शुरू हुआ। इस दौरान ट्रेन में मिलने वाली रियायतें सस्पेंड कर दी गई थीं। इस तरह मार्च 2020 से दो वर्षों में रेलवे ने वरिष्ठ नागरिक यात्रियों से 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है।

सूचना का अधिकार के तहत पूछे गए सवाल के जवाब से यह जानकारी मिली। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद वरिष्ठ नागरिकों को टिकट पर दी जाने वाली रियायत यानी छूट की सुविधा निलंबित कर दी गई थी। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या आगे भी ये रियायतें बंद ही रहेंगी?

7.31 करोड़ बुजुर्गों को नहीं मिली छूट

मध्य प्रदेश के चंद्रशेखर गौर द्वारा दायर आरटीआई के सवाल के जवाब में रेलवे ने कहा कि 20 मार्च, 2020 और 31 मार्च, 2022 के बीच रेलवे ने 7.31 करोड़ वरिष्ठ नागरिक यात्रियों को रियायतें नहीं दीं। इनमें 60 वर्ष से अधिक आयु के 4.46 करोड़ पुरुष, 58 से अधिक आयु की 2.84 करोड़ महिलाएं और 8,310 ट्रांसजेंडर लोग शामिल हैं। आरटीआई

से मिले जवाब के अनुसार, इस अवधि के दौरान वरिष्ठ नागरिक यात्रियों से प्राप्त कुल राजस्व 3,464 करोड़ रुपये है, जिसमें रियायत के निलंबन के कारण अर्जित अतिरिक्त 1,500 करोड़ रुपये शामिल हैं।

बुजुर्ग पुरुषों और महिलाओं संग ट्रांसजेंडर भी प्रभावित : वरिष्ठ नागरिकों से कुल राजस्व में लिंगवार राजस्व पर आरटीआई के उत्तर में कहा गया है कि पुरुष यात्रियों से 2,082 करोड़ रुपये, महिला यात्रियों से 1,381 करोड़ रुपये और ट्रांसजेंडर से 45158 लाख रुपये राजस्व मिले। महिला वरिष्ठ नागरिक यात्री 50 प्रतिशत रियायत के लिए पात्र होते हैं, जबकि पुरुष और ट्रांसजेंडर सभी वर्गों में 40 प्रतिशत छूट का लाभ उठा सकते हैं। एक महिला के लिए रियायत का लाभ उठाने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 58 है, जबकि एक पुरुष के लिए यह 60 वर्ष है।

तो क्या आगे भी बंद रहेंगी रियायतें?

देश के कोरोना महामारी की चपेट में आने के बाद मार्च 2020 से जिन रियायतों को रोक दिया गया था, वे आज तक निलंबित हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि उन्हें बरकरार नहीं रखा जा सकता है। वर्ष 2020 में और 2021 में कुछ समय तक ट्रेन सेवाएं निलंबित रहीं, लेकिन अब सेवाओं के सामान्य होते ही रियायतों की मांग उठने लगी है।

विभिन्न प्रकार के यात्रियों को दी जाने वाली लगभग 53 प्रकार की रियायतों के कारण रेलवे पर हर साल लगभग 2,000 करोड़ रुपये का भारी बोझ पड़ता है। पिछले दो दशकों में रेलवे की रियायतें बहुत चर्चा का विषय रही हैं, जिसमें कई समितियों ने उन्हें वापस लेने की सिफारिश की है। इसका नतीजा यह हुआ कि जुलाई 2016 में रेलवे ने बुजुर्गों के लिए रियायत को वैकल्पिक बना दिया।

सरदार वल्लभभाई पटेल का अहम योगदान देश की अलग अलग रियासतों को भारत में शामिल करना था

आजादी के 28 साल बाद भी नहीं था भारत का हिस्सा... फिर एक दिन सेना गई और सिक्किम नया राज्य बन गया!

भारत के आजाद होने के बाद करीब 28 साल बाद सिक्किम भारत का हिस्सा बना था और सिक्किम को भारत में विलय करने में भारतीय सेना ने अहम भूमिका निभाई थी।

भारत के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक और सबसे कम जनसंख्या वाला प्रदेश सिक्किम भारत का हिस्सा बना था। सिक्किम के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई राजनीतिक हस्तियों ने इसकी शुभकामनाएं दी हैं और सोशल मीडिया पर कई लोग इसकी बधाइयां दे रहे हैं। सिक्किम के भारत में शामिल होने का दिन इसलिए भी खास है, क्योंकि सिक्किम का भारत में विलय आजादी से करीब 28 साल बाद हुआ था और इसमें भी भारतीय सेना का अहम रोल था। ऐसे में सिक्किम के भारत विलय की कहानी काफी दिलचस्प है।

आप भी सोच रहे होंगे कि जब भारत 1947 में आजाद हो गया था तो कई साल तक सिक्किम भारत का हिस्सा क्यों नहीं बना। साथ ही सवाल ये भी है कि जितने दिन सिक्किम भारत में शामिल नहीं था, वहां किसका शासन था और किस तरह से सिक्किम को भारत में शामिल किया गया। तो जानते हैं सिक्किम के भारत में शामिल होने की कहानी...

सिक्किम नहीं था भारत का हिस्सा : बता दें कि साल 1642 से यह चोग्याल वंश के अधीन था। इसके बाद 1890 में अंग्रेजों के शासन में यह भारत का एक संरक्षित राज्य बन गया, जिसे प्रोटेक्टोरेट स्टेट भी कहा जाता है। इसका मतलब होता है कि इस पर अंग्रेजों का ही शासन था। हालांकि, ये ये ब्रिटिश इंडिया और चीन के बीच बफर स्टेट के रूप में कार्य करता था, जिसमें नेपाल और भूटान आदि भी शामिल थे। लेकिन, भारत जब आजाद हुआ तो भारत का इस पर पूरी तरह से कंट्रोल था। सिक्किम के चोग्याल का अभी भी यहां अधिकार था, लेकिन कई लोग भारत में शामिल होना चाहता था।

वैसे साल 1950 में यानी भारत के आजाद होने के तीन साल बाद सिक्किम और भारत गणराज्य के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

इस समझौते के अनुसार, सिक्किम अभी भारत का एक संरक्षित राज्य था और इसमें दर्जे को जारी रखा गया था। इसके बाद से विदेश, रक्षा, कम्यूनिकेशन से जुड़े मामले भारत के हाथ में थे। इस दौरान देश में सरदार वल्लभभाई पटेल देश की अलग अलग रियासतों को भारत में शामिल करने का काम कर रहे थे। ऐसे ही गोवा भी आजाद होने के कई साल बाद भारत का हिस्सा बना था।

कभी सोचा है रेंट एग्रीमेंट 11 महीनों का ही क्यों होता है, एक साल का क्यों नहीं?

जो लोग किराए पर रहते हैं या फिर जिन लोगों ने किराए पर घर दे रखा है, उन लोगों के लिए रेंट एग्रीमेंट काफी आम शब्द है। आपने देखा होगा कि जिस रेंट एग्रीमेंट की हम बात कर रहे हैं, वो एग्रीमेंट 11 महीने का होता है। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि रेंट एग्रीमेंट हमेशा 11 महीने का ही क्यों बनवाया जाता है और इसे पूरे साल यानी 12 महीने का क्यों नहीं बनवाया जाता। रेंट एग्रीमेंट क्या होता है और यह किस वजह से मकान मालिक और किराएदार दोनों के लिए जरूरी है। इसके अलावा आपको ये बताएंगे कि आखिर रेंट एग्रीमेंट 12 महीने की बजाय 11 महीनों का ही क्यों होता है...

क्या होता है रेंट एग्रीमेंट?

रेंट एग्रीमेंट मकान मालिक और किराएदार के बीच होने वाला एक कॉन्ट्रेक्ट होता है। जिसमें बताया जाता है कि एक मकान मालिक एक सीमित समय के लिए किसी को अपनी प्रॉपर्टी रहने या किसी इस्तेमाल के लिए किराए पर दे रहा है और इसके लिए एक किराया फिक्स किया जाता है। इस एग्रीमेंट में किराएदार और मकान मालिक के बीच जो शर्तें तय की जाती हैं, उन्हें लिखा जाता है और दोनों आपस में इस कॉन्ट्रेक्ट के जरिए कुछ शर्तों पर राजी होते हैं। ये कोर्ट में भी मान्य होता है।

11 महीना का ही क्यों होता है रेंट एग्रीमेंट?

आपने देखा होगा कि जब भी किराएदार, मकानमालिक या ब्रोकर भी रेंट एग्रीमेंट बनवाता है तो 11 महीने का ही कॉन्ट्रेक्ट बनवाया जाता है। तो जानते हैं आखिर 11 महीने का ही कॉन्ट्रेक्ट क्यों होता है?

एक इंडियन रजिस्ट्रेशन एक्ट होता है। उसके सेक्शन 17 में कुछ दस्तावेजों की जानकारी दी गई है, उनके रजिस्ट्रेशन जरूरी है और लीज डीड भी उसमें बताई गई है। आपको बता दें कि रेंट एग्रीमेंट को एक तरह से लीज डीज ही माना जाता है। उसमें कहा गया है कि अगर एक साल ऊपर कोई भी लीज डीड होता है तो आपको लीज डीड भी करवानी होगी। ऐसें में अगर रेंट एग्रीमेंट 1 साल से ज्यादा का होगा तो फिर इसका रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसके बाद अगर कोई रजिस्ट्रेशन करवाता है तो उसके लिए फिर ड्यूटी, स्टांप खर्च आदि देना होगा। ऐसे में इस खर्चे से बचने के लिए रेंट एग्रीमेंट को 11 महीने का ही करवाया जाता है। इसके बाद इसे रिन्यू करवा लिया जाता है, लेकिन ये

12 महीने से ज्यादा वक्त का कॉन्ट्रेक्ट नहीं होता है।

क्या किराएदार क्यों मकान पर कब्जा कर सकता है?

कानूनी जानकारों का कहना है, 'वैसे तो कभी भी किसी भी किराएदार का मकान मालिक की संपत्ति पर हक नहीं होता है। लेकिन कुछ परिस्थितियों में किराए पर रहने वाला व्यक्ति उस पर अपना जाहिर कर सकता है। ट्रांसफर ऑफ प्रोपर्टी एक्ट के अनुसार, एडवर्स पजेशन में ऐसा नहीं होता है और इसमें जिस पर संपत्ति का कब्जा होता है, वो उसे बेचने का अधिकारी भी होता है। यानी अगर कोई 12 साल तक किसी संपत्ति पर एडवर्स पजेशन रखता है तो उसे संपत्ति पर अधिकार मिल जाता है।

जेलों में मोबाइल के प्रयोग पर मुकम्मल रोक लगाने के लिए तकनीकी समाधान तलाशने के निर्देश

जेल मंत्री हरजोत बैंस ने कहा- अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए मैनपावर बढाई जाए

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

राज्य की जेलों को सही अर्थों में 'सुधार घर' बनाने के मद्देनज़र पंजाब के जेल मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने विभाग के अधिकारियों को हिदायत की कि मोबाइल फोन के प्रयोग को पूरी तरह से बंद करने और जेल के अंदर चल रहे मोबाईलों के बारे में पता लगाने के लिए नवीनतम तकनीक बरतने के लिए रूप-रेखा तैयार की जाए। पंजाब भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट मंत्री ने जेलों में मैनपावर बढ़ाने के भी निर्देश दिए और जेल विभाग के विशेष मुख्य सचिव विजय कुमार जंजूआ को जेलों में अवैध गतिविधियों में शामिल कैदियों पर नकेल कसने के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मी तैनात करने के लिए कहा। मंत्री ने कहा, ''जेलों में गैंगस्टरों और अपराधियों के गठजोड़ को तोडऩे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा चलाई जा रही विशेष मुहिम के अंतर्गत अब तक निर्धारित समय में जेलों से सबसे अधिक मोबाइल फ़ोन ज़ब्त किए गए हैं। भविष्य में यह भी सुनिश्चित बनाया जाएगा कि जेलों के अंदर से एक भी अवैध गतिविधि न की जा सके।''

गौरतलब है कि एक भारतीय आई.टी./संचार प्रणाली एकीकरण कंपनी एम.ए.पी.एल. ने एक प्रस्तुति दी और कैबिनेट मंत्री को अवगत करवाया कि जीयो मैपिंग के द्वारा जेलों को कवर किया जाएगा और जीयो फैन्सिंग और प्रौद्यौगिकी के द्वारा मोबाइल, वाट्सऐप और अन्य कॉल के सिगनल प्राप्त किए जा सकेंगे। बैठक में ए.डी.जी.पी. जेलें वरिन्दर कुमार, आई.जी. जेलें रूप कुमार अरोड़ा और कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मुफ्त यूनिफॉर्म देने के लिए 92.95 करोड़ जारी

* शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को किसी विशेष दुकान से यूनिफॉर्म खऱीदने पर लगाई रोक
* 8वीं कक्षा तक सभी लड़कियों और एस.सी./एस.टी./बी.पी.एल. लडक़ों को मिलेगी मुफ्त यूनिफॉर्म
* स्कूल प्रबंधक समितियाँ 600 रुपए प्रति विद्यार्थी के हिसाब से नियमानुसार यूनिफॉर्म खऱीदेंगी

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

शिक्षा विभाग द्वारा पंजाब के सरकारी स्कूलों के 15 लाख से अधिक विद्यार्थियों को मुफ्त यूनिफॉर्म देने के लिए 92.95 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। यह जानकारी शिक्षा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने आज यहाँ जारी प्रेस बयान के द्वारा दी। शिक्षा मंत्री ने समूह ज़िला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक प्राईमरी अफसरों को निर्देश दिए हैं कि वह नियमों के अनुसार यूनिफॉर्म खऱीदने और किसी भी विशेष दुकान से यूनिफॉर्म खऱीदने सम्बन्धी लिखित या जुबानी आदेश ना दिए जाएँ और यदि इस मामले में कोई लापरवाही सामने आई तो सख़्त कार्रवाई की जाएगी। मीत हेयर ने बताया कि पहली से आठवीं कक्षा तक की सभी लड़कियों और पहली से आठवीं कक्षा तक के सभी एस.सी./एस.टी./बी.पी.एल. लडक़ों को मुफ्त यूनिफॉर्म मिलेगी, जिनकी कुल संख्या 15,491,92 है और प्रति विद्यार्थी 600 रुपए के हिसाब से यूनिफॉर्म खऱीदने के लिए स्कूल प्रबंधक समितियाँ (एस.एम.सी.) को कुल 92.95 रुपए जारी कर दिए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने आगे विवरण जारी करते हुए बताया कि मुफ्त यूनिफॉर्म हासिल करने वाले कुल लाभार्थी विद्यार्थियों में 8,45,429 लड़कियों के लिए 50.72 करोड़ रुपए, 5,45,993 एस.सी. लडक़ों के लिए 32.75 करोड़ रुपए और 1,57,770 बी.पी.एल. लडक़ों के लिए 9.46 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

विश्व मधुमक्खी दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम आज गुजरात में

जालंधर ब्रीज. नई दिल्ली/गुजरात

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस पर वृहद राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन टेंट सिटी-2, एकता नगर, नर्मदा, गुजरात में कर रहा है। इसका शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। इस अवसर पर तोमर 5 राज्यों में 7 जगह स्थापित की गई हनी टेस्टिंग लैब एंड प्रोसेसिंग यूनिट का उद्घाटन भी करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देते हुए देश के छोटे किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाना है, जिनकी प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस को बीएसएफ की दो टुकड़ियां करेंगी सहयोग

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

ज़िले में अमन-कानून की स्थिति पर बारीकी के साथ निगाह रखने और इसे और मज़बूत करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) की दो टुकड़ियां शहर में तैनात की गई हैं जोकि जालंधर कमिश्नरेट पुलिस के साथ सहयोग करेंगी। पुलिस और बीएसएफ के उच्च आधिकारियों के साथ समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह तूर की तरफ से समाज विरोधी तत्वों के साथ सख़्ती के से पेश आने पर ज़ोर दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी को भी अमन-शान्ति को किसी कीमत पर भंग करने की इजाज़त नहीं दी जायेगी।

पुलिस कमिशनर ने कहा कि जो कोई भी कानून का उल्लंघन करने की कोशिश करेगा उसके साथ सख़्ती के साथ निपटा जायेगा। इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर घनश्याम थोरी, पुलिस जसकरन सिंह तेजा और गुरबाज़ सिंह, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर पुलिस वत्सला गुप्ता, बी.एस.एफ. के कंपनी कमांडर रघबीर सिंह और विजय प्रकाश चौबे और अन्य भी उपस्थित थे।

अपना कारोबार करने के इच्छुक नौजवानों के लिए कैंप 24 को

होशियारपुर. जिला रोजगार अधिकारी गुरमेल सिंह व जी.एम. जिला उद्योग केंद्र अरुण कुमार ने बताया कि अनुसूचित जाती से संबंधित जिले के निवासी जो अपना काम-धंधा शुरु करना चाहते हैं, उनके लिए जिला रोजगार व कारोबार ब्यूरो और जिला उद्योग केंद्र की ओर से संयुक्त तौर पर 24 मई को सुबह 11 बजे जिला उद्योग केंद्र में जागरुकता कैंप आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अप्लाई करने के लिए सिर्फ अनुसूचित जाती से संबंधित प्रार्थी जिला रोजगार कार्यालय की मोबाइल एप डी.बी.ई.ई. आनलाइन को गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर व स्किल कोर्स के सैक्शन में जाकर 23 मई बाद दोपहर 3 बजे तक अप्लाई कर सकते हैं। एक बैच बनाकर चार सप्ताह की नि:शुल्क ई.डी.पी ट्रेनिंग करवाई जाएगी।

जालंधर में 26 नए ओट क्लीनिक स्थापित किए जाएंगे : डीसी थोरी

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

जालंधर जिले में 26 नए आऊटपेशैंट ओपीओड असिस्टड ट्रीटमेंट (ओट) क्लिनिकों की जल्द स्थापना की जाएगी, क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से नशे के अधिक से अधिक मरीज़ों के इलाज के लिए इन क्लिनिकों की स्थापना के लिए मंजूरी दे दी गई है। डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी ने बताया कि यह नए केंद्र प्रभावित लोगों को उनके घरों के नज़दीक इलाज सुविधाएं मुहैया करवाने में सहायक होंगे, जिससे नशे से निपटने के लिए ज़िला प्रशासन की तरफ से किए जा रहे यतनों को बढावा मिलेगा।

डीसी ने बताया कि जिले में पहले कुल 11 ओट क्लीनिक काम कर रहे है और इन नए केन्द्रों के खुलने से क्लिनिकों की कुल संख्या 37 हो जाएगी। डिप्टी मैडीकल कमिशनर डा. ज्योति शर्मा ने बताया कि ज़िले में मौजूदा 11 ओट क्लिनिकों में इनके शुरू होने से लेकर अब तक 16,000 से अधिक मरीज़ रजिस्टर हैं और नए केन्द्रों के खुलने के साथ नशे ख़िलाफ़ शुरु किए अभियान को मज़बूती मिलेगी।

धान की सीधी बुवाई के लिए अपेक्षित बिजली उपलब्ध : हरभजन सिंह ईटीओ

चंडीगढ़. मुख्यमंत्री भगवंत मान के भरोसे के बाद में पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने आज धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) के मद्देनज़र बिजली की स्थिति का जायज़ा लिया। आज यहाँ मीटिंग की अध्यक्षता करते हुये कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य के पास धान की सीधी बुवाई के लिए अपेक्षित बिजली सप्लाई उपलब्ध है और किसानों को इस सम्बन्धी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने पीक लोड सीजन के दौरान बिजली चोरी की ज़मीनी हकीकतों और ऊर्जा बचाने के अन्य तरीकों की भी समीक्षा की। उन्होंने लोगों को बिजली बचाने के ढंग अपनाने की अपील करते हुये अधिकारियों को हिदायत की कि वह लोगों को बिजली की चोरी सम्बन्धी जानकारी देने के लिए प्रेरित करें।

हर वर्ग के उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली मुहैया करवाने के लिए सख़्त मेहनत कर रहे अधिकारियों की पीठ थपथपाते हुये हरभजन सिंह ई.टी.ओ ने बताया कि पी.एस.पी.सी.एल. ने पहले ही राष्ट्रीय ग्रिड से मामूली दरों पर अपेक्षित बिजली सप्लाई का प्रबंध किया हुआ है।

डीसी ने बच्चों से मुलाकात कर सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

• जालंधर ब्रीज. होशियारपुर

डीसी संदीप हंस ने राम कालोनी कैंप स्थित चिल्ड्रन होम, स्पेशल होम व आब्जवेशन होम का दौरा कर प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने जहां बच्चों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी वहीं होम्ज के इंचार्जों को बच्चों की रुचि के हिसाब से प्रोग्राम बनाने की भी हिदायत दी। डीसी ने तीनों होम्ज में दिन भर करवाई जाने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल करते हुए निर्देश दिए कि बच्चों को किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए। अगर कुछ जरुरत है तो इस बारे में उन्हें अवगत करवाया जाए ताकि समय रहते समस्याओं का निपटारा किया जा सके। इस दौरान उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि सुरक्षा के मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चिल्ड्रन होम, स्पेशल होम व आब्जवेशन होम में खाने की क्वालिटी चैक की और निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित बनाया जाए कि खाने की पौष्टिकता व गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो। संदीप हंस ने तीनों होम्ज के इंचार्ज को हिदायत दी कि सफाई व्यवस्था और अच्छी बनाई जाए और बच्चों की रुचि के हिसाब से गतिविधियां करवाई जाएं।

चेयरमैन इम्परूवमैंट ट्रस्ट ने अगले 15 सालों के लिए हाउसिंग प्लान तैयार करने के दिए आदेश

जायदाद रजिस्टर को ई-फॉर्मेट में तैयार करने को कहा

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

डीसी-कम-चेयरमैन इम्परूवमैंट ट्रस्ट कपूरथला विशेष सारंगल ने शहर में बढ़िया और उचित कीमत वाले मकानों की उपलब्धता यकीनी बनाने के लिए ट्रस्ट के आधिकारियों को कहा है कि वह कपूरथला के लोगों के लिए अगले 5, 10 और 15 सालों के लिए व्यापक योजनाबंदी तैयार करे। आज इम्परूवमैंट ट्रस्ट बैठक की अध्यक्षता करते सारंगल ने आधिकारियों को कहा कि वह मुकदमेबाज़ी को कम करने के लिए पुड्डा और गमाडा की तर्ज़ पर ई -फॉर्मेट में जायदाद रजिस्टर को कायम रखे।

उन्होंने आधिकारियों को यह भी कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वह आगे वाली बैठक से पहले-पहले विकसित किए जाने वाले क्षेत्रों की पहचान करे, जिससे इम्परूवमैंट ट्रस्ट की तरफ से चलाए जा रहे प्रोजैक्टों में तेज़ी लाई जा सके। बैठक में इम्परूवमैंट ट्रस्ट 2022 -23 के लिए 428.26 लाख रुपए का सालाना बजट भी पास किया गया। बैठक में ए.डी.सी (ज) अजय अरोड़ा, सहायक कमिशनर रणजीत सिंह, ई.ओ सुरिन्दर कुमारी और ट्रस्ट के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डाक घर में पीएलआई एजेंट बनने के लिए 31 मई तक आवेदनों की मांग

सुपरडैंट पोस्ट आफिस कपूरथला रवि पुरी ने बताया कि ज़िले के बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार के अवसर मुहैया करवाने के उदेश्य से भारतीय डाक विभाग में एजेंट बनने के इच्छुक उम्मीदवार 31 मई तक पोस्ट आफिस कपूरथला में अपना आवेदन दे सकते है। उन्होंने बताया कि 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के उम्मीदवार भारतीय डाक घर में एजेंट बनने के लिए अपना आवेदन जमा करवा सकते है।

'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर कार्यशाला

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

स्वास्थ्य विभाग जालंधर द्वारा 75वीं स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के तहत 16 मई से 31 मई तक "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" का पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत जिला प्रशिक्षण केंद्र में डॉ. सिविल सर्जन जालंधर रणजीत सिंह के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सहायक सिविल सर्जन डॉ. वीरिंदर कौर थिंड, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राकेश चोपड़ा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी टी.पी. सिंह, एसएमओ डॉ. परमजीत सिंह डॉ अमन सूद मनप्रीत, डॉ. आदित्य पाल, एफएसओ रॉबिन, बीईई राकेश सिंह, बीईई मानव शर्मा, जिला बीसीसी समन्वयक नीरज शर्मा, स्कूल स्वास्थ्य समन्वयक परमवीर उपस्थित थे। सिविल सर्जन ने कहा कि धूम्रपान पर कोटा अधिनियम, 2003 को सख्ती से लागू किया जाएगा और "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" के अवसर पर मनाए जा रहे इस पखवाड़े के दौरान शहरी और ग्रामीण स्तर पर जिले में विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं। इस बीच स्वास्थ्य विभाग सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के चालान भी काटेगा।

कविता

लेखिका
राधा शर्मा

मातृत्व

जब होगा मां , बेटी और बहु का सम्मान
तभी होगा आधुनिकता में नारी का उत्थान
पर हम तो यह सोचते हैं प्यारे
जब होगा नारी को नारीत्व का मान
करेगी स्त्री, स्त्री के स्त्रीत्व का ध्यान
असल में तभी होगा नारी का उत्थान |
यह भी माना है...
कि आज की नारी है सब पर भारी
पर जब वह करती है
निशा में बाहर जाने की तैयारी
पाकर उसको सुकोमल व सुकुमारी
करती है प्रहार वही जो होती है राजदार हमारी|
हो पाएगा ऐसी सुरसा स्त्री का अंत तभी
जब बन पाएगा त्रिजटा-सी अंतरात्मा कभी||
पाया यह नर तन तो नारी का सम्मान करो
बनो मानव न दानव-सा व्यवहार करो||
कहते हैं .....
परम पिता ही पुरूष है इस संसार में ,
तो क्यों है पुरुषत्व के झूठे अहंकार में|
त्यागकर इस अहं को,
जब पहचानेगा अंत:करण की नारीत्व को
तब शायद बचा पाएं हम मातृत्व को|

मां का प्यार....

अप्रतीम, अतुलनीय
निर्मल, निर्झर झरने-सा
पलपल हरपल बहता जाता
मां का प्यार.....
अद्भुत, अद्वितीय
ममता के गहरे सागर-सा
लहरों सा हरपल उछलता जाता
मां का प्यार.....
है प्राणवायु-सा
जो उमंग रगों भरता जाता
उसकी रूह, ख्वाबों का आसमाँ है
चेहरे की मुस्कान है
खुशियों का जहाँ है।

बच्चे के लिए माँ की
आँखों में अश्क
दिल में तड़प है।
माँ का आँचल
ममता का सागर है।

माँ-बच्चे का गहरा रिश्ता
भगवान ने बनाया है
जीवन की इस तपिश में
दोनों एक- दूसरे के लिए घना साया हैं।

लेखिका
रचना गुलाटी

माँ- बच्चे का रिश्ता

माँ-बच्चे का गहरा रिश्ता
बच्चे माँ के चेहरे का नूर
दुआ माँगती है वो हर पल
बच्चा पास रहे या दूर।

कभी दोस्त,कभी गुरु बन
उसे उसकी मंज़िल दिख्लाती
राहों को उसकी आसान बनाकर
उसके सपनों को सजाती।

बच्चा माँ की जान है

भारत के खिलाफ टेस्ट नहीं खेल पाएंगे आर्चर, स्ट्रेस फ्रेक्चर के कारण बाहर

बारबडोस में जन्में आर्चर ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूप में 42 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 86 विकेट चटकाए...

लंदन. इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जोफ्रा आर्चर कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर (मामूली फ्रेक्चर) के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं और जुलाई में भारत के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ईसीबी ने बयान में कहा, ''पीठ में स्ट्रेस फ्रेक्चर का पता चलने के बाद इंग्लैंड और ससेक्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर बाकी बचे पूरे सत्र से बाहर हो गए हैं।'' आर्चर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं क्योंकि ईसीबी ने उनकी वापसी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है। ईसीबी ने कहा, ''उनकी वापसी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। आगामी दिनों में विशेषज्ञ से सलाह मशिवरा करने के बाद प्रबंधन उन्हें लेकर योजना बनाएगा।''

भारत को जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट (पिछली श्रृंखला का बचा हुआ मुकाबला) और सीमित ओवरों के छह मुकाबले खेलने हैं। पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2021 में भारत के खिलाफ उसी की सरजमीं पर खेलने वाले 27 साल के आर्चर का कोहनी का आपरेशन हुआ था और इसके बाद उन्होंने ससेक्स की ओर से काउंटी क्रिकेट में वापसी की जहां उन्हें स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया। बारबडोस में जन्में आर्चर ने इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूप में 42 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं जिसमें उन्होंने 86 विकेट चटकाए हैं।

डेयरी किसानों की जायज़ मांगों को जल्द हल किया जाएगा : धालीवाल

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़/एसएएस नगर

पशु पालन, मछली पालन एवं डेयरी विकास मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल द्वारा आज यहाँ लाइवस्टॉक कॉम्पलैक्स में प्रगतिशील डेयरी किसानों और मछली पालकों के साथ बैठक की गई। इस बैठक में उन्होंने डेयरी किसानों और मछली पालकों को पेश आ रही दिक्कतों के बारे में विचार-विमर्श किया। कैबिनेट मंत्री ने इस मौके पर कहा कि सरकार कृषि में विभिन्नता लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए कृषि के सहायक धंधे डेयरी फार्मिंग और मछली पालन, और पशु पालन को बड़े स्तर पर प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में राज्य को अग्रणी बनाने के लिए व्यापक मुहिम राज्य भर में चलाई जाएगी। उनके द्वारा युवाओं को इन धंधों से जुडऩे की भी अपील की और कहा कि सरकार द्वारा इन सहायक धंधों से जुडऩे वालों की अधिक से अधिक सहायता की जाएगी। उन्होंने डेयरी किसानों की समस्याएँ सुनने के बाद उनकी जायज़ माँगों को पहल के आधार पर हल करने का आश्वासन देते हुए कहा कि वह एक-दो दिन में मुख्यमंत्री भगवंत मान और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के साथ विस्तार से डेयरी किसानों की समस्याओं के बारे में विचार करके हल करवाएंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.